

बाढ़ में बचाव कार्यों से खुश नजर आए सीएम

संदेश बाढ़क जूझ

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि राप्ती बेसिन का प्रथम जिला होने के कारण श्रावस्ती बाढ़ के प्रति अतिसंवेदनशील जनपदों में है। इस बार भी रूह जुलाई को नेपाल क्षेत्र व समग्र क्षेत्र में लगातार वर्षा होने के कारण नदी का जलस्तर खतरा के निशान से 1.9 मीटर ऊपर चला गया था। जिससे क्रमशः 116 गांव व 76260 ग्रामीणों की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई थी। राहत एवं बचाव कार्य हेतु 25 मोटरबोट एवं 18



अपना में मृतक के परिवारों को चेक देते मुख्यमंत्री।

घण्टी सव का प्रयोग करते हुए, इस बाढ़ में 2280 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाढ़ के दौरान 7350 लंच पैकेट 1000 राशन किट का वितरण किया जा चुका है, जो अभी भी लगातार जारी है। जनपद में

19 बाढ़ पीकी बनी है, जहां मेडिकल टीम व पशु चिकित्सक तैनात हैं। स्वास्थ्य टीम द्वारा अबतक 3286 बाढ़ पीड़ितों का उपचार, 6402 ओआरएस पैकेट का वितरण व 13884 बलैरीन टेबलेट का वितरण

● डीएम ने बताया कैसे निपटा गया आपदा से

किया जा चुका है। पशु चिकित्सक अधिकारियों द्वारा 344 निराश्रित गोवंश व अन्य पशुओं का उपचार एवं 1800 निराश्रित गोवंश एवं अन्य पशुओं का रेस्क्यू किया गया है।

प्रशासन की तरफ से कृषि फसलों के नुकसान का आकलन हेतु टीमों का गठन कर दिया गया है, जिनकी फसल क्षतिग्रस्त हो गयी है उन्हें भी सहायता दी जायेगी। बाढ़ के दौरान जिला प्रशासन द्वारा किए गए कार्यों से मुख्यमंत्री खुश नजर आए।

रेस्क्यूटीम व सूचना देने वाली महिला को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

● बाढ़ में हुई आकस्मिक मौत के सार लीनों में दिए 16 लाख रुपए का चेक

देवी नूर पेटवकी

श्रावस्ती, संदुपपुर। मुख्यमंत्री ने 26 जुलाई को बाढ़ के दौरान जिन 11 लोगों का रेस्क्यू किया गए थे, जिनमें महिला रेडक्रेस टीम एवं राब के सदस्य तथा पीएमडी के सदस्यों की प्रशंसा कर देकर सम्मानित किया। जिन 26 कुर्बानियों को बचाने में अतिवृष्टि एवं निराल से आर्थिक राशि होने से बाढ़ की निमित्त उनका हो गये वो किस कारण श्रावस्ती संदुपपुर अर्न्तगत राम भाषा केसरपुराक के 11 अधिक जो कि जंगल की छेदी बराने का रहे है, अचानक लगी गयी जो तेज गति व रूह जलप गले की धारा के बीच निपटकारक बनाने पर फंसे गये। जंगल का बराने के कारण घाटी नीचे-नीचे इनके घुटने तक आ गए, जिस कारण इनके घावों से जल निकट बेसी निमित्त उनका हो गयी जिसकी सूचना रात 7.00 बने उन्ही के



जला फंसे अधिक बीसवीं रेडक्रेस टीम द्वारा बाढ़ में बचाने का प्रयास करवाये गये। इस निमित्त में सम्मान देकर बराने बराने निमित्त आश्चर्यक एवं सुविधापूर्ण हो गया था, उपरिगत सम्मान जिन उपरिगत द्वारा फादर पीएमडी के कारण से लंच में 8,00 बने से बचाने कार्य शुरू कर दिए गए। यह बचाव कार्य बहुत ही निराली परिस्थितियों

मृतक के परिवार को चेक प्रदान करते मुख्यमंत्री

में बचाना गए जिनमें बीसवीं रेडक्रेस टीम द्वारा बाढ़ में बचाने का प्रयास करवाये गये। इस निमित्त में सम्मान देकर बराने बराने निमित्त आश्चर्यक एवं सुविधापूर्ण हो गया था, उपरिगत सम्मान जिन उपरिगत द्वारा फादर पीएमडी के कारण से लंच में 8,00 बने से बचाने कार्य शुरू कर दिए गए। यह बचाव कार्य बहुत ही निराली परिस्थितियों

की संतु सुपार, की अर्न्तगत सुपार जिन, की सुचना मिले, की संतु सुपार जिन व की अर्न्तगत सुपार जिन में जला का भी हुए फलियों की खोज की गयी। इस कार्य में राम भाषा केसरपुराक के की राम उज्जाल द्वारा पीएमडी के मोटरबोट का किराने उन्ही की हुए लीनों तक ले जाया गया। जल्दी के संदुपपुर प्रयास से यह बराने बचाने कार्य लंच में 3.15 बने पूर्ण का किया गया और रात 11 बजे रात को सुरक्षित बाहर निकाला किया गया। इस सम्मान अधिपान में निमित्तक जिलाधिकारी संदुपपुर है-बाढ़ के दौरान मुख्यमंत्री ने बाढ़ के दौरान श्रावस्ती अर्न्तगत के राम भाषाक के केसरपुराक में बाढ़ आघात के दौरान जंगल की घुम देकर एवं निराला गुरु जंगल तक जंगल सेहानिच में जंग की रोपाई के लिए रात से सुधीनों केरु सुधी मोटरबोट जारी एवं सहायता पूर्वी अर्न्तगत जारी, जिसके निमित्त जिनके के बचाने कार्य में सुपारी में सुपु ही गये थे, सुपारी के प्रति लोक सेहानिच बचाव करते हुए कुर्बानियों ने अर्न्तगत सुपारी के अधिकारी को 24 लाख रुपये का उपरिगत कुल 76 लाख रुपये की अर्न्तगत सहायता का देवी चेक प्रदान किया।